IASBABA 60 DAYS 2020: HISTORY & CURRENT AFFAIRS-DAY 3

Q.1) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

भूमि राजस्व प्रणाली	प्रस्तुतकर्ता
1. रैयतवाड़ी	अलेक्जेंडर रीड
2. महालवाड़ी	थॉमस मुनरो
3. स्थायी बंदोबस्त	लॉर्ड वैलेज़ली

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.1) Solution (c)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
1820 में थॉमस मुनरो और अलेक्जेंडर रीड द्वारा रैयतवाड़ी प्रणाली की शुरुआत की गई थी। आरंभ में ब्रिटिश भारत के प्रमुख क्षेत्रों में मद्रास, बॉम्बे, असम के कुछ भाग और कुर्ग प्रांत शामिल हैं।	1833 में उत्तर-पश्चिम सीमांत, आगरा, केंद्रीय प्रांत, गंगा घाटी, पंजाब इत्यादि में हॉल्ट मैकेंज़ी और रॉबर्ट मेर्टिंस बर्ड द्वारा महालवाड़ी प्रणाली की शुरुआत की गई थी। विलियम बेंटिक के कार्यकाल में इसे प्रस्तुत किया गया था।	1793 में लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा स्थायी बंदोबस्त अधिनियम के माध्यम से ज़मींदारी प्रणाली या स्थायी बंदोबस्त आरंभ किया गया था। इसे बंगाल, बिहार, उड़ीसा तथा वाराणसी के प्रांतों में प्रस्तुत किया गया था।

Q.2) बोमलीपट्टम, चिनसुरा, बालासोर और कासिम बाजार जैसे स्थानों पर फैक्ट्रियों की स्थापना किसके द्वारा आरंभ में की गई थी?

a) डच
b) अंग्रेजी
c) पुर्तगाली
d) फ्रांसीसी

Q.2) Solution (a)

पुर्तगाली फैक्ट्री	कालीकट (कोझिकोड), कोचीन, कैनानोर (कन्नूर), गोवा, दमन।
अंग्रेजी फैक्ट्री	सूरत (1613), आगरा, अहमदाबाद और भड़ौच, बॉम्बे, मद्रास और कलकत्ता।
फ्रांसीसी फैक्ट्री	सूरत, मसूलीपट्टनम, पांडिचेरी।
डच फैक्ट्री	मूसलीपट्टनम (1605), पुलिकट (1610), सूरत (1616), बिमलीपट्टम (1641), करैकल (1645), चिनसुरा (1653), कासिम बाजार (कासिम बाजार, बारानागोर, पटना, बालासोर, नागापट्टम (1658) और कोचीन (1663) ।

Q.3) इलाहाबाद संधि के साथ, ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में एक सुदृढ़ राजनीतिक लाभ मिला। निम्नलिखित में से कौन सा कथन इलाहाबाद संधि के बारे में सही है / हैं?

1. प्लासी की लड़ाई के परिणामस्वरूप मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय और रॉबर्ट क्लाइव के बीच संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।
2. मुगल को प्रतिवर्ष दी जाने वाली 26 लाख रुपये की पेंशन के बदले में ब्रिटिश सीधे कर वसूलने के हकदार थे।
3. नवाब के साथ मद्रास में सरकार की दोहरी प्रणाली स्थापित की गई थी, जिसमें नवाब के पास न्यायिक कार्यों को बरकरार रखा गया था, लेकिन कंपनी के पास राजस्व एकत्र करने की शक्ति थी।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) केवल 2 और 3

Q.3) Solution (b)

- इलाहाबाद संधि ने भारत में राजनीतिक और संवैधानिक हस्तक्षेप तथा ब्रिटिश शासन की शुरुआत को चिह्नित किया।
- इस संधि के साथ, ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में एक सुदृढ़ राजनीतिक लाभ मिला। संधि से पहले, ब्रिटिशों का केवल भारतीय शासकों के साथ एक मजबूत व्यापारिक संबंध था।
- यह संधि उन कारकों में से एक थी, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वे अगली दो शताब्दियों तक भारत पर शासन करेंगे।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
बक्सर की लड़ाई के परिणाम स्वरूप मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय और रॉबर्ट क्लाइव के बीच 12 अगस्त 1765 को इलाहाबाद की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।	संधि ने कंपनी को लगभग 40,000 वर्ग किलोमीटर कर योग्य उपजाऊ भूमि तक पहुंच प्रदान की। मुगल को प्रतिवर्ष दी जाने वाली 26 लाख रुपये की पेंशन के बदले में अंग्रेज सीधे कर वसूलने के हकदार बन गए थे।	बंगाल में नवाब के साथ सरकार की दोहरी प्रणाली स्थापित की गई थी, जिसमे न्यायिक कार्यों को नवाब के पास बरकरार रखा गया था, लेकिन कंपनी के पास राजस्व एकत्र करने की शक्ति थी।

Q.4) ब्रिटिश नीतियों ने वि-औद्योगीकरण (de-industrialisation) का नेतृत्व किया है। भारत में निम्नलिखित में से कौन सा इसका परिणाम नहीं है?

a) अत्यधिक लोगों की कृषि पर निर्भरता के प्रभाव से कृषि दक्षता कम हो गई।
b) सस्ते आयात से हस्तशिल्प उद्योग पूरी तरह से ध्वस्त हो गया।
c) आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया जिससे उच्च दरिद्रता हो गई।
d) भारत से कच्चे माल के निर्यात में तथा तैयार माल के आयात में वृद्धि हुई।

Q.4) Solution (b)

- भारत सही शब्दों और आधुनिक अर्थों में एक औद्योगिक देश नहीं है। लेकिन 17 वीं और 18 वीं शताब्दी के मानकों से, यानी, भारत में यूरोपीय लोगों के आगमन से पहले, भारत विश्व की 'औद्योगिक कार्यशाला' था।
- इसके अलावा, भारत की पारंपरिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था "कृषि और हस्तशिल्प के सम्मिश्रण" की विशेषता थी।
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था के इस आंतरिक संतुलन को ब्रिटिश सरकार ने व्यवस्थित रूप से समाप्त कर डाला था। इस प्रक्रिया में, पारंपरिक हस्तकला उद्योग अपने पूर्व-अस्तित्व से निम्नतर हो गए तथा इसकी गिरावट 18 वीं शताब्दी के प्रारंभ में आरंभ हुई और 19 वीं शताब्दी की शुरुआत में तेजी से आगे बढ़ी। इस प्रक्रिया को वि-औद्योगीकरण' के रूप में जाना जाता है, जो औद्योगिकीकरण के विपरीत है।
- भारतीय हस्तशिल्प को विदेशी वस्तुओं से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि भारतीय वस्त्रों के लिए उच्च शुल्क थे तथा ब्रिटेन से तैयार मालों के लिए कम शुल्क थे। इन सभी के कारण हस्तशिल्प उद्योग में गिरावट आई। हालाँकि ये नीतियां पारंपरिक हस्तकला उद्योग को पूरी तरह से नहीं समाप्त कर सके। यहां विकल्प (b) एक अस्पष्ट कथन है और इसलिए गलत है।
- अन्य सभी कथन भारत में वि-औद्योगीकरण के परिणाम हैं।

Q.5) 1854 के 'वुड्स डिस्पैच' को 'भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्नाकार्टा' कहा जाता है। वुड्स डिस्पैच की निम्नलिखित सिफारिशों पर विचार करें:

1. इसने जन शिक्षा को बढ़ावा देकर शिक्षा की पहुंच का विस्तार किया।
2. प्रत्येक जिले में एक शिक्षा विभाग स्थापित किया जाना है।
3. भारतीय मूल निवासियों को उनकी मातृभाषा में भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
4. इसने निजी उद्यमों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु अनुदान सहायता प्रणाली की सिफारिश की।

ऊपर दी गई सिफारिशों में से कौन सी सही है / हैं?

a) केवल 1,2 और 3
b) केवल 2 और 4
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2, 3 और 4

Q.5) Solution (c)

- चार्ल्स वुड एक ब्रिटिश उदारवादी राजनेता और संसद सदस्य थे। उन्होंने 1846 से 1852 तक राजकोषीय चांसलर के रूप में कार्य किया। बाद में वे ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष बने।
- 1854 में उन्होंने गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी को "वुड्स डिस्पैच" भेजा।
- वुड्स डिस्पैच की सिफारिशें निम्नलिखित हैं
    - कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास में अंग्रेजी, अरबी, संस्कृत, फारसी, कानून और सिविल इंजीनियरिंग विभागों के साथ विश्वविद्यालयों की स्थापना करना।
    - निजी उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान सहायता प्रणाली।
    - बालिका विद्यालयों की स्थापना कर महिला शिक्षा को बढ़ावा देना।
    - पेशेवर शिक्षा-चिकित्सा, कानून और इंजीनियरिंग को प्रोत्साहित करना
    - प्रत्येक प्रांत में शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों की स्थापना।

कथन 1 और 3	**कथन 2**	**कथन 4**
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
अंग्रेजी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं को शिक्षा के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए तथा कॉलेजों, स्कूलों की स्थापना करके सामूहिक शिक्षा को	प्रत्येक 5 **प्रांतों** (बंगाल, बंबई, मद्रास, पंजाब और उत्तरी पश्चिमी प्रांतों) में एक निदेशक के नेतृत्व में स्थापित किया जाना है।	शिक्षकों का वेतन बढ़ाने, स्कूल निर्माणों को बढ़ावा देने, छात्रों को छात्रवृत्ति देने, साहित्यकारों की स्थितियों में सुधार करने, विज्ञान विभाग खोलने आदि के लिए दी

बढ़ावा देना चाहिए।		जाने वाली अनुदान सहायता के साथ स्कूलों ने छात्रों से शुल्क लिया, **इसलिए शिक्षा मुफ्त नहीं थी।**

Q.6) भारत में यूरोपीय लोगों के आगमन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. डच ईस्ट इंडिया कंपनी के अपने सभी व्यापार केंद्र पूर्वी तट की ओर थे।
2. कालीकट की खोज के बाद वास्को डी गामा और ज़मोरिन के सौहार्दपूर्ण संबंध थे।
3. 1613 से, बॉम्बे पश्चिमी तट पर इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी का मुख्यालय था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1, 2 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.6) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
डच ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन 1602 में किया गया था, लेकिन डचों की मुख्य दिलचस्पी भारत में नहीं, बल्कि इंडोनेशियाई द्वीपों में थी, जहाँ मसालों का उत्पादन होता था। डचों ने भारत में सूरत, भड़ौच, खंबात, नागपट्टनम, मछलीपट्टनम, चिनसुरा, पटना, और आगरा यानि भारत के दोनों तटों पर व्यापारिक डिपो स्थापित किए।	जब वास्को डी गामा कालीकट में उतरा, तो उसने ज़मोरिन से सौहार्दपूर्वक व्यवहार प्राप्त किया, और उसे मसालों में व्यापार करने और तट पर एक कारखाना (वेयर-हाउस) स्थापित करने की अनुमति मिली। लेकिन, 1502 में, वास्को डी गामा ने मांग की कि ज़मोरिन को वहां बसे सभी मुस्लिम व्यापारियों को निष्कासित करना चाहिए। लेकिन ज़मोरिन ने मांग को खारिज कर दिया तथा कालीकट का बंदरगाह सभी के लिए खुला रहने दिया था।	1613 से, सूरत पश्चिमी तट पर इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी का मुख्यालय था, लेकिन 1668 को, जब ब्रिटिश सरकार से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बॉम्बे (वर्तमान मुंबई) का अधिग्रहण किया गया था (1662 में बॉम्बे इंग्लैंड के प्रिंस चार्ल्स-II स्पेन द्वारा अपने राजकुमारी कैथरीन की शादी में दहेज के रूप में को दिया गया था)। इसके बाद पश्चिमी तट के मुख्यालय के रूप में सूरत को बंबई ने प्रतिस्थापित किया।

Q.7) आंग्ल-फ्रांसीसी युद्धों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. प्रथम आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध में फ्रांसीसी की हार हुई तथा यह पेरिस संधि के साथ समाप्त हो गया था।
2. पांडिचेरी की संधि ने द्वितीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध को समाप्त कर दिया था।
3. तृतीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध फ्रांसीसी के लिए एक निर्णायक हार थी तथा ऐक्स-ला-चैपेल संधि ने भारत में इस युद्ध को समाप्त कर दिया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 2
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.7) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
प्रथम आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध - 1746 से 1748 तक चला। फ्रांसीसी की पराजय हुई। ऐक्स-ला-चैपल संधि के माध्यम से युद्ध समाप्त हुआ।	द्वितीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध 1749 से 1754 तक चला। पांडिचेरी की संधि ने युद्ध को समाप्त किया।	तृतीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध 1758 से 1763 तक चला। यह फ्रांसीसी की निर्णायक हार थी। पेरिस संधि ने भारत में इस युद्ध को समाप्त किया। इसमें पॉन्डिचेरी को फ्रांसीसी को लौटा दिया गया था।

Q.8) 'गोएन्ड' (Goyendas) शब्द निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a) जासूस प्रणाली
b) राजस्व संग्रह
c) न्यायिक प्रणाली
d) जमींदारी प्रथा

Q.8) Solution (a)

- मुगल शासन के तहत फौजदार वो थे, जो कानून और व्यवस्था बनाए रखने में मदद करते थे, तथा आमिल जो मूल रूप से राजस्व संग्रहकर्ता थे, लेकिन यदि कोई आवश्यकता हो, तो उन्हें विद्रोहियों के साथ संघर्ष करना पड़ता था। कोतवाल शहरों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तरदायी थे।

- 1774 में, वॉरेन हेस्टिंग्स ने फौजदारों की संस्था को बहाल किया तथा जमींदारों को डकैतों, हिंसा और अव्यवस्था के दमन में उनकी सहायता करने के लिए कहा।
- 1808 में, लॉर्ड मेयो ने कई जासूसों (गोएन्ड) की मदद से प्रत्येक डिवीजन के लिए एक पुलिस अधीक्षक (एसपी) की नियुक्ति की, लेकिन इन जासूसों ने स्थानीय लोगों पर प्रतिशोध लिया।

Q.9) सांविधिक सिविल सेवा (Statutory Civil Service) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे भारत में लॉर्ड लिटन द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
2. इसमें भारतीयों द्वारा नामांकन के माध्यम से भरे जाने वाले वाचा के एक तिहाई पद (one-third of covenanted posts) शामिल थे।
3. बाद में इसे सुधारों के साथ जारी रखा गया जैसा कि ऐचिसन आयोग द्वारा सिफारिश की गई थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.9) Solution (a)

- **एचिसन आयोग** की सिफारिशें:
  - नागरिक सेवाओं के दो-स्तरीय वर्गीकरण को वाचा और अवाचा (covenanted and uncovenanted) को बदलकर एक त्रि-स्तरीय वर्गीकरण (इंपीरियल, प्रांतीय और अधीनस्थ नागरिक सेवाओं) द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।
  - सिविल सेवाओं में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु 23 वर्ष होनी चाहिए।
  - भर्ती की सांविधिक सिविल सेवा प्रणाली को समाप्त कर दिया जाना चाहिए।
  - प्रतियोगी परीक्षा इंग्लैंड और भारत में एक साथ आयोजित नहीं की जानी चाहिए
  - इंपीरियल सिविल सेवा में कुछ प्रतिशत पद प्रांतीय सिविल सेवा के सदस्यों के पदोन्नति द्वारा भरे जाने चाहिए।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
लॉर्ड लिटन ने 1878-79 में सांविधिक सिविल सेवा की शुरुआत की।	सांविधिक सिविल सेवा में स्थानीय सरकारों द्वारा नामांकन के माध्यम से उच्च परिवारों के भारतीयों द्वारा भरे जाने वाले वाचा के एक-छठे पद (one-	सांविधिक सिविल सेवा के सदस्यों के पास निम्न दर्जा और कम वेतन था तथा यह आलोचना का विषय बन गया।

	sixth) शामिल थे जो राज्य सचिव और वायसराय द्वारा अनुमोदन के अधीन थे।	सिविल सेवा पर एचिसन आयोग 1886 ने इसके उन्मूलन के लिए सिफारिश की तथा अंततः इसे 1887-88 में समाप्त कर दिया गया।

Q.10) भारतीय प्रेस के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. चार्ल्स मेटकाफ को भारत में 'प्रेस का मुक्तिदाता' कहा जाता है।
2. 1867 का पंजीकरण अधिनियम, जिसने 1835 के प्रेस अधिनियम को स्थानांतरित कर दिया गया था, प्रकृति में प्रतिबंधात्मक था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.10) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
1835 में चार्ल्स मेटकाफ द्वारा भारतीय प्रेस को प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया गया। उन्हें 'भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता' कहा जाता है। इस कदम का शिक्षित भारतीयों ने उत्साह से स्वागत किया था। यह एक कारण था कि उन्होंने कुछ समय तक भारत में ब्रिटिश शासन का समर्थन किया।	प्रेस के प्रति विशेष रूप से निर्देशित सबसे पुराना जीवित अधिनियम 1867 में प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ बुक्स एक्ट (PRB अधिनयम) (1867 का XXV) पारित किया गया था। हालाँकि इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता पर सरकारी नियंत्रण स्थापित करना नहीं था। यह एक नियामक कानून था जिसने सरकार को पंजीकरण की एक प्रणाली द्वारा प्रिंटिंग प्रेस और समाचार पत्रों को विनियमित करने तथा भारत में मुद्रित पुस्तकों और अन्य मामलों की प्रतियों को संरक्षित करने में सक्षम बनाया। इस अधिनियम में 1835 के मेटकाफ अधिनियम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में ढील दी गई है तथा इसलिए कहा गया है कि सरकार नियामक के रूप में कार्य करती है न कि

	प्रतिबंधात्मक निकाय के रूप में।

Q.11) आधुनिक भारतीय इतिहास में, मेयो का 1870 का संकल्प किससे संबंधित था

a) पुलिस सुधार
b) वित्तीय विकेंद्रीकरण
c) शैक्षिक सुधार
d) वर्नाक्यूलर प्रेस

Q.11) Solution (b)

- 1870 का मेयो संकल्प: यह संकल्प वित्तीय विकेंद्रीकरण से संबंधित था जो 1861 के भारतीय परिषद अधिनियम द्वारा विधायी विचलन (legislative devolution) था।
- इंपीरियल सरकार से वार्षिक अनुदान के अलावा, प्रांतीय सरकारों को अपने बजट को संतुलित करने के लिए स्थानीय कराधान का सहारा लेने के लिए अधिकृत किया गया था। यह प्रशासन के कुछ विभागों जैसे चिकित्सा सेवाओं, शिक्षा और सड़कों पर प्रांतीय सरकारों के नियंत्रण के हस्तांतरण के संदर्भ में किया गया था। यह स्थानीय वित्त की शुरुआत थी।

Q.12) 1833 के चार्टर अधिनियम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसने ईस्ट इंडिया कंपनी की वाणिज्यिक गतिविधियों को समाप्त कर दिया तथा इसे एक प्रशासनिक निकाय तक सीमित कर दिया।
2. इसने ब्रिटिश भारत सरकार को दास प्रथा समाप्त करने का निर्देश दिया।
3. प्रत्येक वर्ष भारत के मूल निवासियों के बीच साहित्य, शिक्षा और विज्ञान के पुनरुद्धार, प्रोत्साहन और संवर्धन के लिए एक लाख रुपये की राशि निर्धारित की जानी थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.12) Solution (a)

- 1833 के चार्टर अधिनियम के कुछ प्रावधान हैं:
    - किसी भी भारतीय नागरिक को कंपनी के तहत धर्म, रंग, जन्म, वंश आदि के आधार पर रोजगार से वंचित नहीं किया जाना था।
    - कानून बनाने पर पेशेवर सलाह के लिए गवर्नर जनरल काउंसिल में एक कानून सदस्य जोड़ा गया।

- भारतीयों के कानूनों को संहिताबद्ध और समेकित किया जाना था।
- यूरोपीय आव्रजन और भारत में संपत्ति के अधिग्रहण पर सभी प्रतिबंध हटा दिए गए थे।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
इस अधिनियम ने एक वाणिज्यिक निकाय के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी की गतिविधियों को समाप्त कर दिया, जो विशुद्ध रूप से प्रशासनिक निकाय बन गया था। यह प्रावधान प्रदान करता है कि भारत में कंपनी के क्षेत्र 'उसकी महामहिम, उसके उत्तराधिकारियों के विश्वास' के अंतर्गत थे	इसने चीन के साथ और चाय में व्यापार पर कंपनी के एकाधिकार को समाप्त कर दिया। इसने भारत सरकार को दास प्रथा को खत्म करने का निर्देश दिया। 1843 में दास प्रथा को समाप्त कर दिया गया।	1813 के चार्टर अधिनियम के तहत, प्रत्येक वर्ष भारत के मूल निवासियों के बीच साहित्य, शिक्षा और विज्ञान के पुनरुद्धार, प्रोत्साहन और संवर्धन के लिए एक लाख रुपये की राशि अलग से निर्धारित किए जाने का प्रावधान था।

Q.13) ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ सहायक संधि (Subsidiary Alliance) पर हस्ताक्षर करके, भारत के एक राज्य को

1. क्षेत्र के भीतर एक ब्रिटिश सेना स्थायी रूप से स्वीकार करना।
2. किसी भी यूरोपीय को नियुक्त करने के लिए अंग्रेजों की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता थी, यह प्रावधान किसी अन्य भारतीय शासक से समझौते के मामले में लागु नही था।
3. शासक के दरबार में एक ब्रिटिश रेजिडेंट की नियुक्ति

ऊपर दिए गए निम्नलिखित में से किसके लिए सहमत होना था?

अपने **कथनों में से कौन सा सही है / हैं?**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.13) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य

इस प्रणाली के तहत, भारतीय राज्य के शासक को अपने क्षेत्र के भीतर एक ब्रिटिश सेना की स्थायी तैनाती को स्वीकार करने तथा इसके रखरखाव के लिए सब्सिडी का भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया था।	प्रणाली के तहत, भारतीय शासक अंग्रेजों की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी यूरोपीय को अपनी सेवा में नियुक्त नहीं कर सकता था। तथा न ही वह गवर्नर-जनरल की सलाह के बिना किसी अन्य भारतीय शासक के साथ बातचीत कर सकता था। भारतीय राज्य भी ब्रिटिश अनुमोदन के बिना किसी अन्य भारतीय राज्य के साथ किसी भी राजनीतिक संबंध में प्रवेश नहीं कर सकता थे।	संधि के तहत एक ब्रिटिश रेजिडेंट भी भारतीय शासकों के दरबार में तैनात था। अंग्रेजों ने भारतीय राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का वादा किया था लेकिन यह शायद ही कभी माना गया था।

Q.14) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

आयोग	संबंधित
1. लॉर्ड वेल्बी	पुलिस सुधार
2. फाउलर	मुद्रा
3. रिचर्ड स्ट्रेची	अकाल

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.14) Solution (c)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
1895 में, भारतीय व्यय प्रशासन पर	फाउलर समिति या भारतीय मुद्रा	1880 के रिचर्ड स्ट्रेची आयोग को

शाही आयोग, जिसे आमतौर पर वेल्बी आयोग के रूप में जाना जाता है, की स्थापना भारतीय व्यय को देखने के लिए की गई थी।	समिति भारत में ब्रिटिश सरकार द्वारा 29 अप्रैल 1898 को भारत में मुद्रा की स्थिति की जांच के लिए नियुक्त की गई एक सरकारी समिति थी।	अकाल से निपटने के लिए एक सामान्य रणनीति और सिद्धांत विकसित करने के लिए बनाया गया था। यह लॉर्ड लिटन की अवधि के दौरान गठित किया गया था।

Q.15) एक कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित युद्धों को व्यवस्थित करें:

1. प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध
2. द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध
3. प्रथम आंग्ल-नेपाल युद्ध
4. द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 4 - 3 - 1 - 2
b) 1 - 2 - 4 - 3
c) 2 - 3 - 1 - 4
d) 3 - 1 - 4 - 2

Q.15) Solution (d)

- नालपानी की लड़ाई 1814-1816 के आंग्ल-नेपाली युद्ध की पहली लड़ाई थी, जो ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल की सेनाओं, जो गोरखाओं द्वारा प्रशासित थी, के बीच लड़ी गई।
- प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध (जिसे अफगानिस्तान में आपदा के रूप में अंग्रेजों द्वारा भी जाना जाता है) को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और अफगानिस्तान के अमीर के बीच 1839 से 1842 के बीच लड़ा गया था।
- द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध सिख साम्राज्य और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच एक सैन्य संघर्ष था जो 1848 और 1849 में हुआ था। इसके परिणामस्वरूप सिख साम्राज्य का पतन हुआ, तथा पंजाब का अधिग्रहण हुआ, जो बाद में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत बन गया।
- द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध या दूसरा बर्मा युद्ध (1851 से 1852) 19 वीं शताब्दी के दौरान बर्मी और ब्रिटिश सेना के बीच लड़े गए तीन युद्धों में से दूसरा था, जिसमें बर्मा की संप्रभुता और स्वतंत्रता के क्रमिक विलुप्त होने के परिणाम थे।
- इसलिए सही कालानुक्रमिक क्रम प्रथम आंग्ल-नेपाली युद्ध (1814-1816) <प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध (1839 से 1842) <द्वितीय जंगल-सिख युद्ध (1848 और 1849) <द्वितीय आंग्ल-बर्मी युद्ध (1851 से 1852) है।

Q.16) घेरे की नीति (*Policy of Ring Fence*) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे रॉबर्ट क्लाइव द्वारा अपनाया गया, जिसने उसे कई भारतीय शासकों पर विजय दिलाई।

2. इस नीति के तहत ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में फ्रांसीसी बस्तियों के पड़ोसी शासकों के साथ गठजोड़ किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.16) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**असत्य**
वारेन हेस्टिंग्स ने घेरे की एक नीति का पालन किया जिसका उद्देश्य कंपनी के सीमाओं की रक्षा के लिए बफर जोन बनाना था। मोटे तौर पर, अपने स्वयं के प्रदेशों की सुरक्षा के लिए यह उनके पड़ोसियों की सीमाओं की रक्षा की नीति थी।	यह उनके अपने क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए उनके पड़ोसियों की सीमाओं की रक्षा की नीति थी। वारेन हेस्टिंग्स की यह नीति मराठों और मैसूर के खिलाफ उनके युद्ध में परिलक्षित हुई थी। घेरे की प्रणाली के तहत लाए गए राज्यों को, लेकिन अपने स्वयं के खर्च पर बाहरी आक्रमण के खिलाफ सैन्य सहायता का आश्वासन दिया गया था। दूसरे शब्दों में, इन सहयोगियों को सहायक बलों को बनाए रखने की आवश्यकता थी, जिन्हें कंपनी के अधिकारियों द्वारा संगठित, सुसज्जित और कमान किया जाना था, जो बदले में, इन राज्यों के शासकों द्वारा भुगतान किया जाना था।

Q.17) भारत में ब्रिटिश द्वारा किए गए न्यायिक सुधारों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वॉरेन हेस्टिंग्स ने सिविल जज और कलेक्टर के पदों को पृथक किया।
2. लॉर्ड कॉर्नवॉलिस द्वारा सर्किट कोर्ट की स्थापना की गई थी।
3. विलियम बेंटिक ने न्यायालयों में देशीय भाषा (vernacular language) को बढ़ावा दिया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.17) Solution (c)

- **वारेन हेस्टिंग्स के अंतर्गत सुधार (1772-1785 ई।)**
    - वारेन हस्टिंग ने विवादों को सुलझाने के लिए दो अदालतें स्थापित किया- सिविल विवादों के लिए जिला दीवानी अदालत तथा आपराधिक विवाद के लिए जिला फौजदारी अदालतों।
    - जिला दीवानी अदालत: यह उन सिविल विवादों को हल करने के लिए जिलों में स्थापित किया गया था जिन्हें कलेक्टर के अधीन रखा गया था। इस अदालत में हिंदू कानून हिंदू के लिए और मुस्लिम कानून मुस्लिम के लिए लागू था। यदि लोग और अधिक न्याय चाहते हैं, तो वे सदर दीवानी अदालत में जा सकते हैं, जो सर्वोच्च परिषद के एक अध्यक्ष और दो सदस्यों के अधीन कार्य करती थी।
    - जिला फौजदारी अदालतें: यह उन आपराधिक मुद्दों को हल करने के लिए स्थापित किया गया था जिन्हें काज़ी और मुफ़्ती द्वारा सहायता प्राप्त एक भारतीय अधिकारियों के अधीन रखा गया था। इस अदालत का संपूर्ण कामकाज कलेक्टर द्वारा प्रशासित किया गया था। इस अदालत में मुस्लिम कानून लागू था। लेकिन मृत्युदंड की मंजूरी और सजा के लिए सदर निजामत अदालत थी जिसकी अध्यक्षता एक उप निज़ाम करता था, जिसे प्रमुख काज़ी और प्रमुख मुफ़्ती द्वारा सहायता दी जाती थी।

- **कॉर्नवॉलिस के तहत सुधार (1786-1793 ई।)**
    - कॉर्नवॉलिस के तहत, जिला फौजदारी कोर्ट को समाप्त कर दिया गया था तथा कलकत्ता, ढाका, मुर्शिदाबाद और पटना में सर्किट कोर्ट स्थापित किया गया था। यह नागरिक के साथ-साथ आपराधिक मामलों के लिए अपील की अदालत के रूप में कार्य करता है, जो यूरोपीय न्यायाधीशों के अधीन कार्य करती थी। उन्होंने सदर निज़ामत अदालत को कलकत्ता में स्थानांतरित कर दिया तथा इसे गवर्नर-जनरल और सुप्रीम काउंसिल के सदस्यों की देखरेख में रख दिया, जिन्हें मुख्य काज़ी और मुख्य मुफ़्ती द्वारा सहायता प्रदान की जाती थी। जिला दीवानी अदालत का नाम बदलकर जिला, शहर या जिला न्यायालय कर दिया गया था, जो जिला न्यायाधीश के अधीन कार्य करती थी।
    - उन्होंने हिंदू और मुस्लिम दोनों के लिए मुंसिफ कोर्ट, रजिस्ट्रार कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, सदर दीवानी अदालत और किंग-इन-काउंसिल जैसी नागरिक अदालतों की स्थापना की। उन्हें कानून की संप्रभुता की स्थापना के लिए जाना जाता है।

- **विलियम बेंटिक (1828 से 1835) के तहत सुधार**
    - विलियम बेंटिक के तहत, चार सर्किट न्यायालयों को समाप्त कर दिया गया तथा राजस्व और सर्किट आयुक्त की देखरेख में समाप्त न्यायालय के कार्यों को कलेक्टरों को स्थानांतरित कर दिया गया।
    - इलाहाबाद में सदर दीवानी अदालत और सदर निजामत अदालत की स्थापना की गई।

- उन्होंने निचली अदालत में कार्यवाही के लिए फारसी और वर्नाक्यूलर (देशीय) भाषा अपनायी तथा सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के लिए अंग्रेजी भाषा को आधिकारिक भाषा बनाया।
- उनके शासनकाल के दौरान, मैकाले के अंतर्गत विधि आयोग की स्थापना की गई, जिसने भारतीय कानूनों को संहिताबद्ध किया। इस आयोग के आधार पर, 1859 की एक नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1860 की एक भारतीय दंड संहिता तथा 1861 की एक आपराधिक प्रक्रिया संहिता तैयार की गयी थी।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
प्रत्येक जिले में दीवानी अदालत, या सिविल कोर्ट स्थापित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता जिला न्यायाधीश करते थे, जो सिविल सेवा से संबंधित थे। इस प्रकार कॉर्नवॉलिस ने सिविल जज और कलेक्टर के पदों को अलग कर दिया।	कॉर्नवॉलिस ने एक उच्च अदालत के साथ सर्किट कोर्ट की एक प्रणाली शुरू की, जो कलकत्ता में स्थापित थी और उसे सर्किट कोर्ट के निर्णयों की समीक्षा की शक्ति थी। न्यायाधीशों को कंपनी के यूरोपीय कर्मचारियों से लिया गया था।	बेंटिक ने फ़ारसी के स्थान पर देशीय भाषा के उपयोग करने का आदेश दिया। वादी के पास फ़ारसी या एक देशीय भाषा का उपयोग करने का विकल्प था, जबकि सुप्रीम कोर्ट में अंग्रेजी भाषा ने फ़ारसी का स्थान ले लिया था।

Q.18) निम्नलिखित में से कौन सा अधिनियम, ईस्ट इंडिया कंपनी पर संसदीय नियंत्रण की शुरुआत का प्रतीक है?

a) 1813 का चार्टर एक्ट
b) 1833 का चार्टर एक्ट
c) पिट्स इंडिया एक्ट, 1784
d) रेगुलेटिंग एक्ट, 1773

Q.18) Solution (d)

- 1773 का विनियमन अधिनियम भारत के विधायी इतिहास में एक विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह कंपनी की सरकार पर संसदीय नियंत्रण की शुरुआत का प्रतीक है।
- यह अधिनियम भारत में क्षेत्रीय एकीकरण और प्रशासनिक केंद्रीकरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भी कहा जाता है।
- इसने बंगाल प्रेसीडेंसी का वर्चस्व कायम किया तथा बंगाल के गवर्नर को गवर्नर-जनरल के रूप में नियुक्त किया गया। गवर्नर-जनरल की सहायता के लिए चार सदस्यों वाली एक परिषद का गठन किया गया था।

Q.19) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. कृषि में निवेश को हतोत्साहित करने के लिए ब्रिटिश द्वारा स्थायी बंदोबस्त (Permanent Settlement) प्रणाली की शुरुआत की गई थी
2. अंग्रेजों को उम्मीद थी कि स्थायी बंदोबस्त प्रणाली किसानों के एक वर्ग को उभारने में मदद करेगी जो कंपनी कल्याण के प्रति वफादार होंगे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.19) Solution (b)

- तब, लॉर्ड कार्नवालिस ने तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री, विलियम पिट के निर्देशों के तहत, 1786 में स्थायी बंदोबस्त प्रणाली का प्रस्ताव रखा। 1793 में स्थायी बंदोबस्त अधिनियम 1793 द्वारा लागू हुआ।
- जमींदारों को भूमि के मालिकों के रूप में मान्यता दी गई थी। उन्हें उनके अधीन भूमि के उत्तराधिकार के वंशानुगत अधिकार दिए गए थे।
- जमींदार अपनी इच्छानुसार जमीन बेच या हस्तांतरित कर सकते थे।
- जमींदारों का मालिकाना हक तब तक बना रहेगा, जब तक वे सरकार को उक्त तिथि को निर्धारित राजस्व का भुगतान करता है। अगर वे भुगतान करने में विफल रहे, तो उनके अधिकार समाप्त हो जाएंगे और भूमि को नीलाम कर दिया जाएगा।
- जमीदारों द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि तय की गई थी। यह सहमति थी कि भविष्य में यह राशि (स्थायी) नहीं बढ़ेगी।
- सरकार के लिए निर्धारित राशि 10/11 वाँ हिस्सा तथा 1/10 वां हिस्सा ज़मींदार के लिए था। यह राजस्व दर इंग्लैंड में प्रचलित दरों से अधिक थी।
- जमींदार को भी किरायेदार को एक पट्टा देना पड़ता था, जो उसे दी गई जमीन के क्षेत्र का वर्णन करता था तथा उसे ज़मीदार को किराया देना पड़ता था।

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
स्थायी बंदोबस्त शुरू करने में, ब्रिटिश अधिकारियों ने बंगाल की विजय के बाद से उन समस्याओं को हल	अधिकारियों को उम्मीद थी कि इससे किसानों और अमीर ज़मींदारों के एक वर्ग का उदय होगा, जिनके

करने की उम्मीद की, जो वे सामना कर रहे थे। 1770 के दशक तक, बंगाल में ग्रामीण अर्थव्यवस्था, आवर्ती अकाल और कृषि उत्पादन में गिरावट के साथ संकट में थी। अधिकारियों को लगा कि कृषि में निवेश को प्रोत्साहित करके कृषि, व्यापार और राज्य के राजस्व संसाधनों को विकसित किया जा सकता है। यह संपत्ति के अधिकारों को सुरक्षित करने तथा राजस्व मांग की दरों को स्थायी रूप से तय करके किया जा सकता है।	पास कृषि को बेहतर बनाने के लिए पूंजी और उद्यम होगा। अंग्रेजों द्वारा पोषित, यह वर्ग कंपनी के प्रति भी वफादार होगा।

Q.20) भारत में लॉर्ड डलहौजी का निम्नलिखित में से किसमें योगदान था?

1. रेलवे
2. आधुनिक डाक प्रणाली
3. भारतीय सांख्यिकीय सर्वेक्षण
4. टेलीग्राफ

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1, 2 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.20) Solution (c)

- लॉर्ड डलहौज़ी के आगमन ने ब्रिटिश भारत के इतिहास में एक नए अध्याय का उद्घाटन किया। उन्होंने 1848-1856 तक भारत के गवर्नर-जनरल के रूप में कार्य किया।
- उन्होंने कई सुधारों की शुरुआत की, जिन्होंने भारत के आधुनिकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया तथा "आधुनिक भारत का निर्माता" शीर्षक भी अर्जित किया।
- **टेलीग्राफ:** कलकत्ता को पेशावर, बॉम्बे और मद्रास से जोड़ने के लिए 1852 में O'Shaughnessy के अधीक्षण के तहत 4000 मील की लाइनें बिछाई गईं।
- **रेलवे:**
    - उन्होंने "गारंटी प्रणाली" आरंभ की, जिसके द्वारा रेलवे कंपनियों को उनके निवेश पर न्यूनतम पांच प्रतिशत ब्याज की गारंटी दी गई थी
    - सरकार ने रेलवे पर मुख्य रूप से रक्षा, वाणिज्यिक और प्रशासनिक कारणों से अपना अधिकार बरकरार रखा
    - पहली रेलवे लाइन - बॉम्बे से ठाणे 1853 में, दूसरी - कलकत्ता से रानीगंज के कोयला क्षेत्र तक 1854 में, तीसरी - मद्रास से अरकोणम तक 1856 में।

- **आधुनिक डाक प्रणाली:** 1854 में डाक टिकटों की शुरूआत के साथ आधुनिक डाक प्रणाली की नींव रखी गई। 1837 में पोस्टल सिस्टम शुरू हुआ था।
- अन्य योगदानों में शामिल हैं, गंगा नहर खुली घोषित (1854) करना; प्रत्येक प्रांत में अलग-अलग लोक निर्माण विभाग की स्थापना; विधवा पुनर्विवाह अधिनियम (1856) पारित करना; 1854 के "शिक्षा संबंधी वुड्स डिस्पैच" तथा एंग्लो-वर्नाक्युलर स्कूलों और सरकारी कॉलेजों को खोलना।
- 1871 में, भारत की पहली जनगणना **लॉर्ड मेयो** कार्यकाल में की गई थी। उन्होंने **भारतीय सांख्यिकी सर्वेक्षण** का आयोजन किया। उन्होंने राजकीय रेलवे प्रणाली की शुरुआत की। 1870 के मेयो संकल्प ने वित्त के विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया आरंभ की।

Q.21) 'अबूझ मारिया' (Abujh Marias) एक आदिवासी समूह है, जो निम्नलिखित राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में पाए जाते हैं?

a) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
b) छत्तीसगढ़
c) लक्षद्वीप
d) नागालैंड

Q.21) Solution (b)

छत्तीसगढ़ सरकार, विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) अबुझ मारिया के लिए आवास अधिकारों का प्रसंस्करण कर रही है।

अबुझमाड़ एक पहाड़ी वन क्षेत्र है, जो छत्तीसगढ़ में 1,500 वर्ग मील में फैला है, जो नारायणपुर जिले, बीजापुर जिले और दंतेवाड़ा जिले को कवर करता है। यह गोंड, मुरिया, अबुझ मारिया और हलबास सहित भारत की देशीय जनजातियों का घर है।

Q.22) 'ब्लास्ट रोग' (Blast Disease) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह एक जीवाणु रोग है जो केवल चावल की फसल को प्रभावित करता है।
2. रोग के लिए अनुकूल परिस्थितियों में लंबे समय तक मुक्त नमी और उच्च आर्द्रता शामिल होती है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.22) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
मैग्नाफोर्टे ग्रिसिया (Magnaporthe grisea), जिसे चावल ब्लास्ट कवक, चावल अंकुरित ब्लास्ट, चावल ब्लास्ट, ग्रामिया का अंडाकार पत्ती (oval leaf spot of graminea), राईग्रास ब्लास्ट और जॉनसन स्पॉट के रूप में भी जाना जाता है, जो एक पादप रोगजनक कवक है जो चावल में गंभीर बीमारी को प्रभावित करता है। । मैग्नाफोर्टे ग्रिसिया कॉम्प्लेक्स के सदस्य गेहूं, राई, जौ, और मोती बाजरा सहित अन्य प्रमुख महत्वपूर्ण अनाज को संक्रमित कर सकते हैं, जो ब्लास्ट रोग या ब्लाइट रोग नामक रोग पैदा करते हैं।	चावल ब्लास्ट (Rice blast) समशीतोष्ण क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण समस्या है तथा इसे सिंचित तराई और उपोष्ण क्षेत्रों जैसे क्षेत्रों में पाया जा सकता है। चावल ब्लास्ट के लिए अनुकूल परिस्थितियों में लंबे समय तक मुक्त नमी शामिल होती है जहां संक्रमण के लिए पत्ती का गीलापन आवश्यक है और उच्च आर्द्रता आम है।

Q.23) '16 बिंदु समझौता' (16 Point Agreement) निम्नलिखित में से किसके साथ संबद्ध है?

a) संयुक्त राज्य अमेरिका, अफ़ग़ानिस्तान और तालिबान
b) दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया
c) सीरिया, रूस और तुर्की
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.23) Solution (d)

16 सूत्री समझौता भारत सरकार और नागा पीपुल्स कन्वेंशन के बीच था।

Q.24) निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही रूप से सुमेलित है / हैं?

1. बोमकई साड़ी (Bomkai Saree)- ओडिशा
2. ढोकरा धातू ढलाई (Dhokra Metal Casting) - महाराष्ट्र
3. कांथा कढ़ाई (Kantha Embroidery) - पश्चिम बंगाल

सही कूट का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.24) Solution (c)

बोमकाई साड़ी (सोनपुरी साड़ी भी) ओडिशा, भारत की एक हथकरघा साड़ी है। यह राज्य में बोमकई, गंजम जिले का एक उद्गम है तथा मुख्य रूप से सुबर्णपुर जिले के "भुलिया" समुदाय द्वारा निर्मित है। बोम्काई भारत के चिन्हित भौगोलिक संकेतों में से एक है।

कांथा (कांता और कांटा भी लिखा जाता है) भारतीय उपमहाद्वीप के पूर्वी क्षेत्रों में विशेष रूप से बांग्लादेश तथा पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और ओडिशा जैसे भारतीय राज्यों में कढ़ाई का एक प्रकार है।

ढोकरा (डोकरा भी कहा जाता है) गैर-लौह धातु की ढलाई है, जो लुप्त हुई मोम की कास्टिंग तकनीक का उपयोग करती है। इस तरह की धातु की ढलाई का उपयोग भारत में 4,000 वर्षों से किया जा रहा है तथा अभी भी इसका उपयोग किया जाता है। ढोकरा दामार जनजातियाँ पश्चिम बंगाल और ओडिशा के प्रमुख पारंपरिक धातु ढालने वाले समुदाय (metalsmiths) हैं। लुप्त मोम ढलाई की उनकी तकनीक का नाम उनके गोत्र के नाम पर रखा गया है, इसलिए ढोकरा धातु ढलाई है। जनजाति झारखंड से पश्चिम बंगाल और उड़ीसा तक फैली हुई है; सदस्य छत्तीसगढ़ के ढोकरा के दूर के चचेरे भाई (distant cousins) हैं। कुछ सौ साल पहले, मध्य और पूर्वी भारत के ढोकरों ने दक्षिण में केरल और उत्तर में राजस्थान की यात्रा की तथा अब पूरे भारत में पाए जाते हैं। ढोकरा, या डोकरा, पश्चिम बंगाल के द्वारीपुर का शिल्प, लोकप्रिय है। हाल ही में तेलंगाना के आदिलाबाद डोकरा को 2018 में भौगोलिक संकेतक टैग मिला है।

Q.25) 'INSTEX SAS (सहायक ट्रेड एक्सचेंजों के लिए साधन)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह एक विशेष प्रयोजन वाहन है जिसका उद्देश्य यूरोपीय आर्थिक ऑपरेटरों और ईरान के बीच वैध व्यापार की सुविधा प्रदान करना है।
2. यह फ्रांस, जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम द्वारा वित्तपोषित और प्रबंधित किया गया है

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.25) Solution (c)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**सत्य**

सहायक ट्रेड एक्सचेंजों के लिए साधन (INSTEX) जनवरी 2019 में स्थापित एक यूरोपीय विशेष-प्रयोजन वाहन (एसपीवी) है। इसका मिशन अमेरिकी डॉलर के प्रतिबंधों से बचने के लिए गैर-अमरीकी लेनदेन और गैर-स्विफ्ट () की सुविधा प्रदान करना है।	INSTEX को फ्रांस, जर्मनी और यू.के. द्वारा वित्तपोषित और प्रबंधित किया जाता है INSTEX फ्रांस में पंजीकृत किया गया है तथा जर्मन बैंकों द्वारा चलाया जाएगा।

Q.26) तियांगोंग -2 (Tiangong-2), हाल ही में किससे संबंधित समाचारों में देखा गया है

a) चीन द्वारा निर्मित बैलिस्टिक मिसाइल
b) चीन द्वारा विकसित एंटी-सैटेलाइट मिसाइल
c) एक मानवयुक्त चीनी अंतरिक्ष स्टेशन
d) चीनी मंगल मिशन

Q.26) Solution (c)

- तियांगोंग -2 (Tiangong-2) एक मानवयुक्त चीनी अंतरिक्ष स्टेशन है
- तियांगोंग -2 ने 30 दिनों तक दो चीनी अंतरिक्ष यात्रियों की मेजबानी की
- यह चीन का अब तक का सबसे लंबा मानव मिशन है।
- अंतरिक्ष में अपने प्रयोगों को पूरा करने के बाद तियांगोंग -2 को सेवा से हटा दिया गया था।

Q.27) पाकिस्तान में स्थित रेको दीक खदान (Reko Diq mine), जो हाल ही में समाचारों में थी, किसके लिए प्रसिद्द है:

a) सोने के भंडार
b) तांबे के भंडार
c) लोहे के भंडार
d) a और b दोनों

Q.27) Solution (d)

हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय ने 2011 में रेको दीक परियोजना (Reko Diq project) के लिए एक कंपनी को खनन पट्टे के गैरकानूनी इनकार के लिए पाकिस्तान पर 5 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है।

बलूचिस्तान में रेको दीक खदान अपने विशाल सोने और तांबे के भंडार के लिए प्रसिद्ध है।

Read More - https://www.thehindu.com/news/international/pak-should-pay-foreign-firm-6bn/article28429823.ece

Q.28) 'डुगोंग' (dugong), भारत में पाया जाने वाला एक स्तनपायी, के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. यह एक शाकाहारी समुद्री जानवर है।
2. डुगोंग को IUCN ने विलुप्त होने के लिए एक प्रजाति के रूप में 'लुप्तप्राय' (Endangered) के रूप में सूचीबद्ध किया है।
3. इसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के तहत कानूनी संरक्षण दिया गया है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

a) 1 और 2
b) केवल 2
c) 1 और 3
d) केवल 3

Q.28) Solution (c)

डुगोंग (Dugong) एक मध्यम आकार का समुद्री स्तनपायी है।

- यह भारतीय और पश्चिमी प्रशांत महासागरों के उष्ण अक्षांशों में पाई जाने वाली समुद्री गाय की एक प्रजाति है।
- यह डुगोंगाइडे (Dugongidae) परिवार की एकमात्र सदस्य है, तथा इसके सबसे करीबी जीवित संबंधी है।
- आईयूसीएन ने डुगोंग को एक ऐसी प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया है जो विलुप्त होने के लिए 'सुभेद्य' (vulnerable) है।
- लुप्तप्राय प्रजाति में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) व्युत्पन्न उत्पादों के व्यापार को सीमित या प्रतिबंधित करता है।
- ये सुस्त जानवर तटीय शिकारी के लिए एक आसान लक्ष्य बनते हैं।
- वे अपने मांस, तेल, त्वचा, हड्डियों और दांतों के लिए लंबे समय से मांग में रहे हैं।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य
डुगोंग एकमात्र शाकाहारी समुद्री स्तनपायी है।	आईयूसीएन ने डगोंग को एक ऐसी प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया है जो विलुप्त होने के लिए 'सुभेद्य' (vulnerable) है	इसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1 के तहत रखा गया है।

Source - https://www.thehindu.com/news/international/stranded-sea-cow-named-sea-prince/article28307135.ece

Q.29) अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग (IWC) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. व्हेलिंग व्यवसाय को व्यवस्थित करने के लिए स्थापित किया गया है
2. यह संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों में से एक है
3. यह समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCLOS) के तहत कार्य करता है

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.29) Solution (d)

- यह व्हेल के संरक्षण और व्हेलिंग (whaling) के प्रबंधन के लिए वैश्विक निकाय है।
- इसका कैम्ब्रिज शहर, यूनाइटेड किंगडम में मुख्यालय है।
- विभिन्न सरकारें जो IWC की सदस्य हैं, अपनी चर्चाओं और निर्णय लेने में मदद करने के लिए IWC सचिवालय का उपयोग करके अपनी विभिन्न बैठकों और समितियों के माध्यम से अपने निर्णय लेती हैं।
- IWC का मुख्य कर्तव्य कन्वेंशन की समीक्षा तथा अनुसूची में निर्धारित किए गए उपायों को संशोधित करना है जो विश्व भर में व्हेलिंग के संचालन को नियंत्रित करते हैं।
- हाल ही में जापान ने IWC से अपनी सदस्यता वापस ले ली।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
व्हेल के संरक्षण और व्हेलिंग (whaling) को प्रबंधन के लिए स्थापित किया गया है	यह व्हेल के संरक्षण के लिए वैश्विक संस्था है, न कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी है।	आईडब्ल्यूसी की स्थापना अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन ऑफ व्हेलिंग के तहत की गई थी।

Source - https://www.thehindu.com/news/international/japan-resumes-commercial-whaling-seen-as-face-saving-end/article28239774.ece

Q.30) 'ऑपरेशन प्यास' (Operation Thirst) हाल ही में समाचारों में था, जो किससे संबंधित है

a) रेलवे परिसर में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर (PDW) दें
b) सियाचिन ग्लेशियर पर अधिग्रहण करने के लिए भारतीय सशस्त्र बल अभियान के लिए दिया गया कोड-नाम।

c) रेलवे परिसर में अनाधिकृत रूप से पैकिंग किये गए पानी (PDW) की बिक्री को रोकने के लिए
d) इनमें से कोई नहीं

Q.30) Solution (c)

- रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) ने अनधिकृत रूप से पैकिंग किये गए पानी की बिक्री को रोकने के लिए एक अखिल भारतीय अभियान "ऑपरेशन प्यास" (Operation Thirst) लॉन्च किया है।
- रेलवे परिसर में अनधिकृत रूप से पैकिंग किये गए पानी (PDW) के खतरे को रोकने के लिए, "ऑपरेशन प्यास" नामक एक अखिल भारतीय अभियान 08/09 जुलाई 2019 को महानिदेशक / आरपीएफ, रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली के निर्देश पर आरंभ किया गया था।
- इस दौरान, सभी जोनल प्रिंसिपल चीफ सिक्योरिटी कमिश्नर (PCSC) को इन अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कहा गया था। इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय रेलवे के लगभग सभी प्रमुख स्टेशनों को कवर किया गया था।
- अभियान के दौरान, 1371 व्यक्तियों को विभिन्न वर्गों के तहत अनधिकृत ब्रांडों के पैक किए गए पीने के पानी की बिक्री के लिए विभिन्न धाराओं, अर्थात रेलवे अधिनियम की 144 और 153 के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया था।

इस मुद्दे पर, अभियान के बाद संबंधित PCSCs द्वारा निरंतर कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.